आधी आबादी

हर सन्डे वूमेन्स डे

संस्करण – रविवार, 02 जून 2024, अंक – 56

क्या कहता है EXIT POLL 2024?

लोकसभा चुनाव के नतीजे 4 जून को घोषित किए जाएंगे। नतीजों से पहले शनिवार शाम को अलग-अलग मीडिया चैनलों और सर्वे एजेंसियों की तरफ से एग्जिट पोल जारी किए। देश में किस पार्टी की सरकार बन सकती है? किस पार्टी को कितनी सीटें मिल सकती हैं? इसके लिए किस पोल में क्या अनुमान लगाए गए? विस्तार से जानिए...

लोकसभा चुनाव एग्जिट पोल 2024

सीटें : 543

बहुमत : 272

एजेंसी	भाजपा+	कांग्रेस+	अन्य
रिपब्लिक मैट्रिज	353-368	118-135	118-135
इंडिया न्यूज डी-डायनमिक्स	371	125	47
रिपब्लिक पीमारक्यू	359	154	30
जन की बात	362-392	141-161	10-20
न्यूज नेशन	342-378	153-169	21-23
आजतक एक्सिस माय इंडिया	361-401	131-166	8-20
इंडिया टीवी	371-401	109-139	28-38

2019 के नतीजे

भाजपा+ 353

कांग्रेस+ 92

अन्य 98

2019 में BJP ने मारी थी बाजी

लोकसभा चुनाव 2019 में बीजेपी ने उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन किया था। तब बीजेपी ने 303 सीटों पर जीत दर्ज की थी। वहीं, कांग्रेस की झोली में सिर्फ 52 सीटें ही आई थी। YRSCP और DMK को 23-23, तृणमूल कांग्रेस के खाते में 22 और शिवसेना को 18 सीटें आई थीं। वहीं जेडीयू को 16 सीटें, समाजवादी पार्टी को 5 सीटें और बीएसपी को 10 सीटें हासिल हुई थीं।

"मैं प्रत्येक एनडीए कार्यकर्ता की सराहना करना चाहूंगा। पूरे भारत में, अक्सर भीषण गर्मी का सामना करना पड़ता है। मैं लोगों को हमारे विकास एजेंडे को सावधानीपूर्वक समझाने और उन्हें बाहर आकर मतदान करने के लिए प्रेरित करने के लिए उनकी सराहना करता हूं। हमारे कार्यकर्ता हमारी सबसे बड़ी ताकत हैं।"

– प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी

हलचल

मोदी सरकार में बैंकिंग सेक्टर का हुआ कायाकल्प: निर्मला सीतारमण

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नीत सरकार ने विभिन्न सुधारों और बेहतर प्रशासन के जरिए बैंकिंग क्षेत्र का कायापलट किया है। इसके दम पर बैंकों ने 2014 से 2023 के बीच 10 लाख करोड़ रुपए से अधिक डूबे कर्ज की वसूली की है। उन्होंने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय ने करीब 1,105 बैंक धोखाधड़ी मामलों की जांच की है, जिसके परिणामस्वरूप 64,920 करोड़ रुपए की अपराध आय जब्त की गई है। दिसंबर 2023 तक सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (PSB) को 15,183 करोड़ रुपए की संपत्ति वापस कर दी गई है। सीतारमण ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''हाल ही में, भारत के बैंकिंग क्षेत्र ने तीन लाख करोड़ रुपए के आंकड़े को पार करते हुए अपना अब तक का सबसे अधिक शुद्ध लाभ दर्ज करके एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मजबूत और निर्णायक नेतृत्व के दम पर बैंकिंग क्षेत्र का कायापलट हुआ। हमारी सरकार ने व्यापक तथा दीर्घकालिक सुधारों के जरिए बैंकिंग क्षेत्र में संप्रग के पापों का प्रायश्चित किया।

चिलचिलाती गर्मी से उत्तर भारत को जल्द मिलेगी राहत

अरब सागर से चलने वाली नमी युक्त हवाएं दिल्ली समेत उत्तर-पश्चिम भारत की तपती धरती के लिए राहत लेकर आने वाली हैं। पाकिस्तान सीमा पर पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता से जम्मू-कश्मीर एवं उत्तराखंड में ओलावृष्टि के असर से मैदानी क्षेत्रों के अधिकतम तापमान में कमी तो अभी से आने लगी है और अगले दो से तीन दिनों में हीट वेव (लू) की स्थिति से भी मुक्ति मिल जाएगी। मौसम विभाग (आईएमडी) का मानना है कि शनिवार एवं रविवार को पंजाब, हरियाणा एवं दिल्ली में वर्षा हो सकती है। इससे तापमान एकदम से गिरेगा और सप्ताह भर तक प्रचंड गर्मी से राहत मिल सकेगी। इस दौरान मानसून तेज रफ्तार से आगे बढ़ रहा है और शुक्रवार को उत्तर-पूर्व के सभी राज्यों में छा गया। अगले पांच दिनों तक इस हिस्से में भारी वर्षा जारी रह सकती है। आईएमडी के पूर्वानुमान से एक दिन पहले केरल में प्रवेश करने वाला मानसून अपनी रफ्तार में है। अगले कुछ घंटों में ही पूर्वोत्तर के राज्यों में पूरी तरह छा गया। शुक्रवार को बंगाल के भी बड़े हिस्से तक पहुंच गया। हालांकि, इस दौरान केरल में वर्षा की गतिविधियों में कुछ कमी आई है, लेकिन पूर्वोत्तर राज्यों में भारी बारिश जारी है।

एग्जिट पोल पर कांग्रेस ने टीवी डिबेट से किया किनारा

मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने शुक्रवार को बड़ा फैसला करते हुए कहा कि पार्टी सातवें चरण की वोटिंग के बाद टीवी पर आने वाले एग्जिट पोल (Exit Poll) की बहस में हिस्सा नहीं लेगी। पार्टी का कहना है कि कांग्रेस रिजल्ट से पहले (4 जून) अटकलों में शामिल नहीं होना चाहती। पार्टी का कहना है कि वह टीआरपी के खेल की लड़ाई और अटकलबाजी में शामिल नहीं होना चाहती है। लेकिन कांग्रेस के इस रवैये पर सत्तारूढ़ भाजपा ने कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि इस बार हार के कारण को बयां ना कर पाने की स्थिति में कांग्रेस एक्जिट पोल का बहिष्कार कर रही है। इससे इस बात की भी साफ पुष्टि हो गई है कि विपक्षी दल ने 2024 के लोकसभा चुनाव में अपनी हार मान ली है। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को टीवी न्यूज चैनलों पर कांग्रेस के एक्जिट पोल का बहिष्कार करने के निर्णय पर कहा कि काफी समय से कांग्रेस पार्टी डिनायल मोड में ही है। कांग्रेस ने पूरे चुनाव में अपना बहुमत आने का जमकर प्रचार किया, लेकिन अब उनको भी स्थिति मालूम है कि कल के मतदान के बाद एक्जिट पोल में इनकी प्रचंड हार होने वाली है और किस मुंह से कांग्रेस मीडिया का सामना करे?

सस्ता सोना खरीदने की चाह महिला को पड़ी महंगी, लगी 28 लाख की चपत

नवी मुंबई पुलिस ने ठगी के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। एक महिला से "सस्ते और रियायती" दर पर सोना देने का वादा करके करीब 28 लाख रुपये लूट लिए गए। एक अधिकारी ने भी इस बारे में खबर दी। अपनी शिकायत में 36 वर्षीय नेरुल निवासी ने कहा कि गिरफ्तार किए गए लोगों में से एक ने उससे संपर्क किया और दावा किया कि वह उसे आधा किलो सोना 27.81 लाख रुपये में दिला सकता है, जो बाजार मूल्य से काफी कम है। 18 मई को यह व्यक्ति सौदा करने के लिए शिकायतकर्ता को कार में सानपाड़ा स्टेशन ले गया, लेकिन वहां कुछ लोग पहुंचे, जहां महिला को धमकाया गया और उसका पैसे से भरा बैग छीन लिया। उन्होंने बताया कि वह व्यक्ति और उनके साथ कार में बैठा एक अन्य व्यक्ति इसके बाद वहां से भाग गए। सबूतों के आधार पर काम करते हुए पुलिस ने ठाणे निवासी राकेश शिवाजी शिंगटे (39) और रूपेश सुभाष सपकाले (42) को गिरफ्तार किया। साथ ही उन्होंने बताया कि अन्य लोगों को पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

भारतीय महिला कंपाउंड टीम ने साधा गोल्ड पर निशाना, मिक्स्ड टीम को सिल्वर

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल और कई अन्य के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई है। इन पर कथित तौर पर वीडियो कॉन्फ्रेंस के नियमों का उल्लंघन करते हुए कोर्ट की कार्यवाही को अवैध तरीके से रिकॉर्ड करने का आरोप लगाया गया है। कथित तौर पर रिकॉर्डिंग को सोशल मीडिया पर शेयर किया गया। दिल्ली के वकील वैभव सिंह ने दायर जनहित याचिका में कोर्ट की कार्यवाही की कथित रिकॉर्डिंग और प्रसार में शामिल लोगों के खिलाफ जांच करने एवं FIR दर्ज करने के लिए एक विशेष जांच दल (SIT) के गठन की अपील की है। याचिका में कहा गया है कि इन कार्यों से ट्रायल कोर्ट के जज का जीवन खतरे में पड़ गया है। जनहित याचिका में आरोप लगाया गया है कि सीएम केजरीवाल और उनकी पार्टी के सदस्यों ने अदालती कार्यवाही को रिकॉर्ड करने और उसे शेयर करने के लिए एक पूर्व नियोजित साजिश रची। याचिका में जिम्मेदार लोगों की पहचान करने और उन्हें दंडित करने के लिए गहन जांच की मांग की गई है।

मोदी का 'जादू' या दीदी की 'ममता'... कौन होगा बंगाल का टाइगर?

▪ आधी आबादी डेस्क

मंगलवार 4 जून को तय हो जाएगा कि मतदाताओं ने राजग या इंडी गठबंधन में किसे चुना है। इस चुनाव में पीएम नरेंद्र मोदी ने एनडीए के लिए 400 पार का टारगेट रखा है। अकेले भाजपा को 370 सीटों का टारगेट मिला है। लक्ष्य को हासिल करने के लिए दक्षिण भारत के राज्यों के अलावा भाजपा का फोकस 4 राज्यों यूपी, बिहार, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल में है। पश्चिम बंगाल में 42 लोकसभा सीटों में से 33 सीटों पर वोटिंग हो चुकी है। बाकी 9 सीटों के लिए 1 जून को सातवें फेज में वोट डाले गए। यहां ममता बनर्जी की पार्टी TMC और BJP के बीच सीधा मुकाबला है। थर्ड फ्रंट भी चुनाव लड़ रहे हैं। ममता बनर्जी 13 साल से बंगाल की सत्ता में हैं। पहले वो INDIA अलायंस के साथ मिलकर चुनाव लड़ने वाली थी, लेकिन बाद में फैसला बदल लिया। अब 'एकला चलो रे' के कॉन्सेप्ट पर 'मां, माटी और मानुष' की रणनीति पर जीत की उम्मीद कर रही हैं। दूसरी ओर BJP ने पिछले चुनाव में यहां 18 सीटें जीती थी। अब पार्टी उससे बेहतर प्रदर्शन के लिए जोर लगा रही है। बड़ा सवाल है कि मोदी या ममता...आखिर कौन होगा बंगाल का टाइगर?

सीट के लिहाज से अगर देखें, तो 2014 में BJP को 2 सीटें मिली थी और 17% वोट शेयर था। TMC को 34 सीटें मिली और वोट शेयर 39% था। लेफ्ट पार्टी का 30% वोट शेयर था और 2 सीटें जीती थी। कांग्रेस को 4 सीटें मिली थी। 2019 में लेफ्ट का सारा वोट BJP को ट्रांसफर हो गया। 24% वोट शेयर लेफ्ट पार्टी का घट गया। BJP का वोट शेयर 17 से 41% हो गया। BJP जहां 18 सीटें जीतने में कामयाब हुई, वहीं, TMC 34 से घटकर 22 पर आ गई। कांग्रेस को 2 सीटें मिली और लेफ्ट का खाता ही नहीं खुला।

राजनीतिक विश्लेषक अमिताभ तिवारी कहते हैं, "बंगाल में पीएम मोदी का जादू चल सकता है। इसके 5 कारण हैं। पहला कारण- ममता बनर्जी कांग्रेस के INDIA अलायंस का हिस्सा नहीं हैं। इससे नुकसान होगा। ये चुनाव चूंकि लोकसभा का चुनाव है। इसलिए चुनाव में प्रो बीजेपी या एंटी बीजेपी, प्रो मोदी या एंटी मोदी का माहौल बनेगा। एंटी मोदी वोट कहीं न कहीं TMC या कांग्रेस-लेफ्ट गठबंधन में बंट सकती है। दूसरा कारण- पीएम मोदी की लोकप्रियता बंगाल में भी अच्छी-खासी है। पिछले चुनाव में 32% मतदाताओं ने पीएम मोदी के नाम पर वोट किया था। तीसरा करण-BJP को लाभार्थियों का भी बड़ा एडवांटेज मिल सकता है। चौथा कारण- BJP को नागरिकता संशोधन कानून (CAA) और संदेशखाली मामले का फायदा मिल सकता है। बंगाल में मुस्लिम आबादी करीब 30% है। इसलिए यहां पोलराइजेशन यानी ध्रुवीकरण काम कर सकता है। पांचवां कारण-एंटी इंकमबेंसी का असर भी दिखेगा।

दूसरी तरफ बंगाल में बंगाली अस्मिता हावी रहता है। वहां ममता बनर्जी का कनेक्ट है। ममता बनर्जी बंगाली अस्मिता को विधानसभा और लोकसभा दोनों चुनावों में भुनाने की कोशिश करती हैं। चुनाव में बंगाली बनाम नॉन-बंगाली का मुद्दा भी छाया रहता है। दूसरी ओर, बंगाल में ममता बनर्जी का मजबूत SC/ST, महिला वोट बैंक है। TMC सरकार की कई वेलफेयर स्कीम खास तौर पर महिलाओं के लिए हैं। इनमें से कुछ स्कीमों के फंड में ममता बनर्जी ने चुनाव से पहले इजाफा किया है। जाहिर तौर पर ममता को इसका फायदा मिलेगा।

कुल मिलाकर कहें तो साफ तौर पर अभी कुछ भी कहना आसान नहीं। हमें 4 जून का इंतजार करने के बाद ही पता चल सकेगा कि आखिर बंगाल का टाइगर कौन है?

सर्राफा बाज़ार

22 कैरेट सोना	चांदी
₹67,300	₹98,000
प्रति 10 ग्राम	प्रति किलो

कर्नाटक सेक्स स्कैंडल केस में प्रज्वल रेवन्ना गिरफ्तार, क्या अब सुलझेंगे तार!

▪ आधी आबादी डेस्क

महिलाओं के यौन शोषण के आरोपों का सामना कर रहे जनता दल-सेक्युलर (जद-एस) के निलंबित नेता प्रज्वल रेवन्ना को जर्मनी से यहां पहुंचने के फौरन बाद एसआईटी ने शुक्रवार को तड़के गिरफ्तार कर लिया और उनसे पूछताछ की। प्रज्वल रेवन्ना को शुक्रवार को कर्नाटक की एक अदालत ने पेश किया गया। जहां से उन्हें 6 जून तक यानी छह दिनों के लिए एसआईटी की हिरासत में भेज दिया गया। केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरने के बाद रेवन्ना को बेंगलुरु में सीआईडी कार्यालय लाया गया। उनके घर में काम करने वाली एक महिला की ओर से लगाए गए यौन उत्पीड़न और आपराधिक धमकी के आरोपों की जांच विशेष जांच दल (एसआईटी) की ओर से की जा रही है।

प्रज्वल रेवन्ना की मेडिकल जांच

प्रज्वल रेवन्ना राजनयिक पासपोर्ट पर देश छोड़ने के लगभग एक महीने बाद जर्मनी के बर्लिन से भारत वापस आए और आज सुबह उन्हें तुरंत हिरासत में ले लिया गया प्रज्वल की रक्तचाप, रक्त शर्करा स्तर और हृदय समेत अलग-अलग मेडिकल जांच की गई। सूत्रों ने बताया कि एसआईटी प्रज्वल की 'पोटेंसी' (पुंसत्व) जांच कराने पर भी विचार

कर रही है। यह जांच इस बात का पता लगाने के लिए की जाती है कि बलात्कार का आरोपी पीड़िताओं का यौन उत्पीड़न करने में सक्षम है या नहीं।

प्रज्वल रेवन्ना को कब अरेस्ट किया

जन प्रतिनिधियों के लिए एक विशेष अदालत प्रज्वल और उनकी मां भवानी रेवन्ना की जमानत याचिका पर सुनवाई करेगी। राज्य के गृह मंत्री जी परमेशवर ने प्रज्वल की गिरफ्तारी और पुलिस की ओर से इसके बाद की गई कार्रवाई के बारे में कहा कि प्रज्वल रेवन्ना जर्मनी के म्यूनिख से (गुरुवार) रात 12 बजकर 40 मिनट से 12 बजकर 50 बजे के बीच यहां पहुंचे। उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था। एसआईटी ने उन्हें गिरफ्तार कर हिरासत में ले लिया। वे आगे की कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करेंगे।

जमानत के लिए खटखटाया था कोर्ट का दरवाजा

म्यूनिख से बेंगलुरु पहुंचने से पहले हासन के सांसद ने गिरफ्तारी से बचने का अंतिम प्रयास करते हुए जमानत के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया था। प्रज्वल के खिलाफ यौन शोषण के तीन मामले दर्ज हैं, जबकि उनकी मां ने कथित अपहरण के मामले में अग्रिम जमानत का अनुरोध किया है। हालांकि भवानी प्रज्वल से जुड़े मामले में आरोपी नहीं हैं लेकिन एसआईटी उनकी कथित भूमिका की जांच करना चाहती है।

एच डी रेवन्ना जमानत पर हैं रिहा

इसी मामले में भवानी के पति और होलेनरसीपुरा के विधायक एच डी रेवन्ना को गिरफ्तार किया गया था और बाद में जमानत पर रिहा कर दिया गया था। उन पर अपने घर की उस रसोइया का यौन उत्पीड़न करने का भी आरोप है, जिसका यौन शोषण करने का आरोप उनके बेटे प्रज्वल पर भी है। एच डी रेवन्ना पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा के पुत्र हैं। जनता दल (सेक्युलर) के संरक्षक एच. डी. देवेगौड़ा के पोते और हासन लोकसभा क्षेत्र से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार प्रज्वल (33) पर महिलाओं का यौन शोषण करने का आरोप है। उनके खिलाफ अभी तक यौन उत्पीड़न के तीन मुकदमे दर्ज किए जा चुके हैं।

कब विदेश चले गए थे प्रज्वल रेवन्ना

प्रज्वल लोकसभा चुनाव के लिए अपने निर्वाचन क्षेत्र में हुए मतदान के एक दिन बाद 27 अप्रैल को जर्मनी चले गए थे। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के माध्यम से किए गए एसआईटी के अनुरोध के बाद इंटरपोल ने प्रज्वल के खिलाफ एक 'ब्लू कॉर्नर नोटिस' जारी किया था। प्रज्वल ने खुद पर लगाए गए आरोपों को झूठा बताया और इसे राजनीतिक साजिश करार दिया है। उन्होंने इस सप्ताह के शुरू में जारी दो वीडियो बयानों में कहा कि वह अवसादग्रस्त हो गए थे। वीडियो बयान में उन्होंने यह भी कहा था कि वह 31 मई को विशेष जांच दल (एसआईटी) के सामने पेश होंगे।

क्रिकेट के लिए जुनून और पति-पत्नी की कलह पर अटकी एक कहानी, मिस्टर एंड मिसेज माही

▪ स्मिता श्रीवास्तव

कई बार माता-पिता के दबाव की वजह से बच्चों के सपने दबे रह जाते हैं। ऐसे में वे कुंठाग्रस्त रहते हैं। जीवन के साथ समझौता कर लेते हैं, लेकिन जीवन का चक्र कई बार उन्हें ऐसे मोड़ पर ले आता है, जहां से वह दूसरों के जरिए अपने सपनों को पूरा करने का रास्ता तलाश लेते हैं। ऐसे ही क्रिकेट और शादी के गठजोड़ पर फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही गढ़ी गई है। शरण शर्मा द्वारा निर्देशित यह फिल्म खेल के बारे में है, लेकिन यह वैवाहिक कलह की कहानी में बदल जाती है, जब विफल महत्वाकांक्षाएं दबी हुई भावनाओं से टकराती हैं। लेखन स्तर पर कमजोर होने की वजह से मिस्टर और मिसेज दोनों कन्फ्यूज नजर आते हैं।

क्या है मिस्टर एंड मिसेज माही की कहानी?

महेंद्र अग्रवाल ऊर्फ माही (राजकुमार राव) क्रिकेटर बनना चाहता है। उसके लिए उसने अपने पिता हरदयाल अग्रवाल (कुमुद मिश्रा) से दो साल का समय मांगता है। उनकी खेलों का सामान बेचने की दुकान है। महेंद्र का टीम में चयन नहीं हो पाता। पिता के दबाव की वजह से वह क्रिकेटर बनने का सपना छोड़ देता है। पेशे से डाक्टर महिमा गुप्ता (जाह्नवी कपूर) से उसकी अरेंज मैरिज होती है। शादी की पहली रात उसे पता चलता है कि महिमा भी क्रिकेट की शौकीन है। क्रिकेट के प्रति महेंद्र के लगाव को देखते हुए महिमा उसे क्रिकेट में फिर से हाथ आजमाने के लिए प्रोत्साहित करती है। महेंद्र अपने कोच बेनी दयाल शुक्ला (राजेश शर्मा) से मिलने जाता है, लेकिन उनकी उम्मीदों पर खरा नहीं उतरता। बेनी अपने पुराने शिष्य को कोच बनने का सुझाव देते हैं। महेंद्र इन्कार कर देता है। उसी दौरान मैदान पर वह महिमा को चौके-छक्के लगाते देखकर चौंकता है। उसे क्रिकेटर बनने को प्रोत्साहित करता है। वह उसका कोच बन जाता है। महिमा का राज्य स्तर की टीम में चयन भी हो जाता है। महेंद्र को लगता है कि यहां से उसे शोहरत मिलेगी, पर वैसा नहीं होता। उसका असर उनके वैवाहिक जीवन पर पड़ने लगता है।

कहानी अच्छी, कमजोर किरदार

निखिल मल्होत्रा और शरण शर्मा द्वारा लिखी गई कहानी का विषय अच्छा है, लेकिन खेल के मैदान के अंदर और बाहर क्रियाओं और प्रतिक्रियाओं का संतुलन साध नहीं पाए हैं। शरण शर्मा निर्देशित इस फिल्म में सबसे बड़ी समस्या किरदार के गढ़ने और निर्वहन में है। हरदयाल खेलों का सामान बेचते हैं, क्रिकेटरों साथ फोटो अपनी दुकान पर लगवा रखी है, लेकिन बेटे के क्रिकेटर बनने के खिलाफ क्यों है? उसकी वजह स्पष्ट नहीं है। शुरुआत में महेंद्र कोच बनने से इन्कार कर देता है। उसे लगता है कि कोच की कोई इज्जत नहीं होती। उसे कोई नहीं पूछता। एक क्रिकेटर की कोच के प्रति यह सोच अविश्वसनीय है। प्रसिद्ध होने के लिए महेंद्र का उल-जलूल रील बनाना हास्यापद है। महिमा ने मेडिकल परीक्षा में टॉप किया है। एमबीबीएस डाक्टर है और अपना क्लीनिक खोलने की तैयारी में है। बचपन में वह गली-मुहल्ले में क्रिकेट खेलती थी। अर्से तक क्रिकेट से दूर रहने के बावजूद वह महेंद्र के कहने पर क्रिकेटर बनने को राजी हो जाती है, जबकि उसकी अभूतवूर्प प्रतिभा का कहीं भी जिक्र नहीं मिलता।

उसका क्रिकेट के प्रति लगाव और जुनून स्थापित करने में लेखक चूक गए हैं। फिल्म में महिमा की टीम के सदस्य और उसके विरोधी भी केवल सहायक मात्र हैं। फिल्म के क्लाइमेक्स में महिला क्रिकेटरों का मैच है। फिल्म चाहे जितनी भी कोशिश करे रोमांच या ड्रामे के मार्चे पर खरी नहीं उतरती। महिमा और उसके पति के लिए चीजें कैसे बदल जाएंगी, इसका पूर्वानुमान लगाना बेहद आसान है। मीडिया की कार्यशैली दिखाने को लेकर फिल्ममेकर्स को खास तौर पर काम करने की जरूरत है।

काम नहीं आया कलाकारों का अभिनय

राजकुमार राव और जाह्नवी कपूर की जोड़ी इससे पहले हॉरर कामेडी फिल्म रूही में नजर आई थी। राजकुमार मंझे अभिनेता हैं। वह किसी भी भूमिका को अपने अभिनय से विश्वसनीय बना देते हैं। हालांकि, यहां पर कमजोर कहानी की वजह से वह उसे संभाल नहीं पाते। जाह्नवी भावनात्मक दृश्यों में संघर्ष करती नजर आती हैं। उन्होंने भले ही स्क्रीन पर क्रिकेट की तैयारी के लिए तमाम तैयारी की, लेकिन क्रिकेट खेलते हुए वह कहीं से प्रभावी नहीं लगती। राजकुमार के साथ उनके आपसी तकरार के दृश्य भी असर नहीं छोड़ते। पिता की भूमिका में कुमुद मिश्रा अवश्य प्रभावित करते हैं। मां की भूमिका में जरीना वहाब हैं। उनका किरदार भी अधपका है। भाई का किरदार फिल्म में ना भी होता तो कोई फर्क नहीं पड़ता। फिल्म का गीत संगीत सिनेमाघर से बाहर आने के बाद याद नहीं रहता।

मूवी : मिस्टर एंड मिसेज माही (Mr And Mrs Mahi)
रेटिंग : ** (दो स्टार)
कलाकार : राजकुमार राव, जाह्नवी कपूर, कुमुद मिश्रा, जरीना वहाब
लेखक - निर्देशक: शरण शर्मा
निर्माता : करण जौहर

पायल कपाड़िया ने कान फिल्म फेस्टिवल में रचा इतिहास, पहले भी कान में देश का नाम रोशन कर चुकी हैं पायल

▪ आधी आबादी डेस्क

पायल कपाड़िया की फिल्म 'ऑल वी इमेजिन ऐज लाइट' ने कान फिल्म फेस्टिवल में ग्रां प्री अवॉर्ड जीता। यह पाल्मे डी'ओर के बाद फिल्म फेस्टिवल का दूसरा सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार है। यह 30 साल में किसी भारतीय महिला निर्देशक द्वारा मुख्य प्रतियोगिता में प्रदर्शित होने वाली पहली भारतीय फिल्म है। मलयालम और हिंदी भाषा की इस फिल्म की कहानी भी पायल कपाड़िया ने लिखी है। ऑल वी इमेजिन ऐज लाइट नर्स प्रभा की कहानी है, जिसे लंबे समय से अलग रह रहे अपने पति से एक अप्रत्याशित तोहफा मिलता है, जिससे उसका जीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है। इसमें उसकी साथी नर्स अनु की भी कहानी जुड़ी है। रिपोर्ट के मुताबिक, पायल ने इस जीत के बाद एक बयान जारी कर उन सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया है, जिन्होंने उन्हें बधाई दी है। इसके साथ ही पायल ने फिल्म निर्माण और कला क्षेत्र को अधिक लोकतांत्रिक बनाने की आवश्यकता की ओर भी इशारा किया है। पायल ने एक छात्र के रूप में फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टिट्यूशन ऑफ इंडिया (एफटीआईआई) पुणे में बिताए अपने समय को 'सबसे बड़ी सीख' बताया है। वहीं सार्वजनिक संस्थानों में बढ़ती फीस के चलते छात्रों की पहुंच सीमित होने पर चिंता जाहिर की है। इसके अलावा पायल ने अपने बयान में स्वतंत्र फिल्म निर्माण का दायरा और समर्थन बढ़ाने की भी बात कही है।

प्रबंध संपादक: दिनेश के सिंह ❁ संपादक: हीरेन्द्र झा ❁ सलाहकार संपादक: चारुल मल्लिक, राजेश शर्मा, गीता सिंह ❁ डिज़ाइनर: मो. हसमतुल्लाह अंसारी

RNI-DELHIN/2013/51353